मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

## जामिया के डॉ. खालिद रज़ा ने 'प्रिसिजन ड्रग डिज़ाइन' में AI पर टू वॉल्यूम बुक प्रकाशित की

नई दिल्ली, 16 अप्रैल, 2026

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कंप्यूटर विज्ञान विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. खालिद रज़ा ने 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन प्रिसिजन ड्रग डिज़ाइन' शीर्षक से दो-खंडों वाली एक संपादित पुस्तक श्रृंखला प्रकाशित की है, जिसे एल्सेवियर के एक प्रकाशन 'एकेडमिक प्रेस' द्वारा प्रकाशित किया गया है। इन खंडों का औपचारिक विमोचन विश्वविद्यालय में माननीय कुलपति प्रो. मज़हर आसिफ और रजिस्ट्रार प्रो. मो. महताब आलम रिज़वी की उपस्थिति में किया गया; उन्होंने इस उपलब्धि पर डॉ. रज़ा को बधाई दी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा स्वास्थ्य सेवा के मेल से होने वाले अंतर्विषयक अनुसंधान में उनके योगदान की सराहना की।

ये दोनों खंड मिलकर इस बात का एक स्पष्ट और दिलचस्प नज़रिया पेश करते हैं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस किस तरह दवा की खोज और 'प्रिसिजन मेडिसिन' के क्षेत्र में क्रांति ला रहा है। पहला खंड—'फाउंडेशन्स एंड कोर टेक्निक्स'—प्रमुख अवधारणाओं और आवश्यक कार्यप्रणालियों का परिचय देता है, जबकि दूसरा खंड—'एडवांस्ड एप्लीकेशन्स'—उभरते हुए घटनाक्रमों और वास्तविक दुनिया में उनके उपयोग पर केंद्रित है। दोनों खंडों में इस बात पर ज़ोर दिया गया है कि कैसे डेटा-आधारित तरीके और 'इंटेलिजेंट एल्गोरिदम' चिकित्सीय अनुसंधान को नया आकार दे रहे हैं; साथ ही, इनमें 'प्रेडिक्टिव मॉडलिंग' और जैविक डेटा को उन्नत कम्प्यूटेशनल दृष्टिकोणों के साथ एकीकृत करने के संबंध में व्यावहारिक अंतर्दृष्टियाँ भी प्रदान की गई हैं।

यह प्रकाशन 'प्रिसिजन ड्रग डिज़ाइन' के क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बुनियादी अवधारणाओं को उन्नत अनुप्रयोगों से जोड़कर, इन खंडों का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं के परिणामों में सुधार लाने और नई चिकित्सीय दवाओं के विकास की गति को तेज़ करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग हेतु जारी प्रयासों को बल प्रदान करना है।

डॉ. रज़ा ने AI-आधारित ड्रग डिज़ाइन और हेल्थकेयर एनालिटिक्स के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्हें 'क्लैरिवेट (वेब ऑफ़ साइंस) इंडिया एक्सीलेंस रिसर्च साइटेशन अवार्ड 2025' से सम्मानित किया गया है, और वे लगातार दुनिया के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की सूची में अपना स्थान बनाए हुए हैं। डॉ. रज़ा ने 'स्तन कैंसर में AI-आधारित दवा डिज़ाइन' विषय पर एक परियोजना के लिए ICMR से 94 लाख रुपये का अनुसंधान अनुदान भी प्राप्त किया है।

डॉ. रज़ा ने माननीय कुलपति और रजिस्ट्रार के निरंतर समर्थन और प्रोत्साहन के प्रति अपना आभार व्यक्त किया; उन्होंने इस बात पर विशेष ज़ोर दिया कि संस्थान के सुदृढ़ अनुसंधान-बुनियादी ढाँचे और गतिशील नेतृत्व ने इस तरह की अकादमिक उपलब्धियों को साकार करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी